आईआईटी बीएचयू का शताब्दी समारोह

आधुनिक तकनीक से पुरातन ज्ञान को जोड़ें युवा : योगी आदित्यनाथ

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को आईआईटी बीएचयू के शताब्दी समारोह में कहा कि पुरातन ज्ञान की परंपरा को आधुनिक तकनीक से जोड़कर मानवता का कल्याण किया जा सकता है।

आईआईटी बीएचयू के शताब्दी समारोह को सम्बोधित करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

तकनीक जितनी सरल और सस्ती होगी उतनी ही समाज और देश के लिए सुलभ होगी। काशी की तरह ही आईआईटी बीएचयू को पुरातन आत्मा के साथ आधुनिक काया लेनी होगी। उन्होंने कहा कि आने वाले 100 सालों में देश के भविष्य के लिए विजन तैयार करना होगा। इसका दृष्टिकोण आईआईटी बीएचयू को तय करना होगा, ताकी मानवता के कल्याण और दुनिया में महाशक्ति के बनने में योगदान दे सकें। योगी ने भारत सरकार के स्वच्छ भारत मिशन का जिक्र किया और कहा स्वच्छता से स्वास्थ्य, जीवन स्तर और नारी गरिमा में सुधार हुआ है। उन्होंने तकनीक से स्वच्छ भारत मिशन को सरल बनाने को आईआईटियंस आह्वान भी किया।

> तकनीक से स्वच्छ भारत मिशन को सरल बनाने का आईआईटियंस से किया आह्वान
>
> आईआईटी की 'सोविनियर' का मुख्यमंत्री योगी ने किया विमोचन

शनिवार को स्वतंत्रता भवन में आयोजित इस समारोह में योगी ने कहा कि आईआईटी बीएचयू देश भर के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के सरलीकरण, गोवंश के मूत्र और गोबर से ऊर्जा सोत, गांवो में गोबर से मिथेन व कार्बनडाई ऑक्साइड को अलग करने की तकनीक पर काम करें। देश के सामने जल संरक्षण बड़ी चुनौती है। आजादी के बाद सबसे ज्यादा कहर नदी, तालाब और पोखरों पर ढाया गया है। इन सबको ध्यान में रखते हुए तकनीक को सरल और सस्ती करनी होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आईआईटी बीएचयू और कानपुर सरकार के नॉलेज पार्टनर है, इन्हें यूपी में आने वाली चुनौतियों के समाधान खोजने चाहिए। चार दिवसीय एल्युमनी मीट में आने वाले 100 सालों में देश को क्या देना है, इस पर चर्चा होनी चाहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा, तकनीक से भ्रष्टाचार मुक्त समाज भी तैयार होता है। राशन वितरण में ई पॉश मशीन, लोन सहित अन्य योजनाओं के बारे में सरकार की पहल की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा, तकनीक को सरल करना होगा। इससे समाज मे खुशहाली आएगी और साथ ही भविष्य की चुनौतियों के लिए अभी से जुटना होगा। इस मौके पर आईआईटी की 'सोविनियर' का भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विमोचन किया। आईआईटी बीएचयू के निदेशक पीके जैन ने की जा रही पहल की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी सालों में इंस्टीट्यूट ऑफ आर्टिटेक्चर शुरू होने, 5जी (5त्र) के लिये मिनिस्ट्री ऑफ कम्युनिकेशन से एमओयू, अमेजन एशिया व सिस्को लैब की स्थापना की जानकारी दी। अंत में संस्थान के संसाधन और पुरातन छात्र के अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। समारोह में मंच पर गुजरात से भाजपा के पूर्व विधायक सुशील ओझा समेत सभागार में अधिष्ठाता प्रोफेसर राजीव प्रकाश, कुलसचिव डॉ एसपी माथुर समेत देश-विदेश से आए करीब 300 एलुमनाई, शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने को सीएम से नोएडा में मांगी भूमि

वाराणसी। आईआईटी (बीएचयू) के एल्यूमनी मीट के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के निदेशक प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने राष्ट्र के औद्योगीकरण में संस्थान के योगदान की चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री से स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के लिए नोएडा में भूमि की मांग की। कहा कि तकनीक विकास को बढ़ाते हुए हाल ही में आईआईटी बीएचयू और नार्दन कोल लिमिटेड में एमओयू से माइनिंग इंजीनियरिंग कोर इश्यू के समाधान में अहम भूमिका निभाएंगे। संस्थान उद्देश्य और प्राथमिकता रिसर्च, इनोवेशन और बेहतर स्टार्टअप के लिए उपयुक्त मंच प्रदान करना है। इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की शुरुआत महामना की प्रतिमा पर माल्यार्पण से किया। इसके पश्चात पाणिनि कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने मंगलाचरण किया। मुख्यमंत्री और अतिथियों का स्वागत संस्थान के बोर्ड ऑफ गवर्नर के सदस्य और आयोजन समिति के चेयरमैन श्री नितिन मल्होत्रा ने किया।

इलेक्ट्रिक वैन बना आईआईटी के छात्रों ने दिखाया कौशल : आईआईटी बीएचयू के 17 छात्रों की टीम ने इलेक्ट्रिक कार बनाकर नया कारनामा किया। प्रो. एसके शर्मा ने बताया कि इस वैन को बनाने में दो वर्ष का समय लगा। इलेक्ट्रिक वैन के इस प्रजेक्ट की शुरुआत 2017 में हुई थी। आईआईटी के माइनिंग इंजीनियरिंग के वर्कशॉप में इसका निर्माण कार्य आरंभ हुआ। यह वैन एक बार चार्ज करने पर यह 120 किमी तक जा सकती है। यह बिलकुल प्रदुषण मुक्त है जोकि स्कूलों में इस्तेमाल किया जा सकता है। इसको बीईवी के नाम से जाना जायेगा।